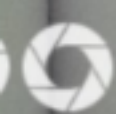


3. (क) विनायक चतुर्थी (ख) महाराष्ट्र का (ग) नृत्य मुद्रा म
(घ) लोकमान्य बालगंगाधर तिलक (ङ) मोदक

पठन एवं लेखन कौशल

1. (क) गणेशोत्सव भाद्रपद महीने के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है।
(ख) इस उत्सव पर 'गणपति बप्पा मोरेया मंगलमूर्ति मोरेया' के नारे लगाए जाते हैं।
(ग) गणपति लोगों के जीवन की बाधाओं को दूर करके उसे खुशियों से भर देते हैं।

- (घ) ये घरों में काम करने वाले होते हैं और गणेशोत्सव के दिनों में घर-घर जाकर नाचते हैं।
- (ङ) लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने इस उत्सव को सार्वजनिक रूप से मनाने की प्रथा आरंभ करके इसे नया स्वरूप प्रदान किया।
2. (क) हमारे देश भारत में वर्ष के आरंभ से लेकर वर्ष के अंत तक अनेक पर्व मनाए जाते हैं। यहाँ हर प्रांत और हर भाग के अलग-अलग पर्व हैं किंतु उन्हें सब मिलकर मनाते हैं। इसलिए भारत को पर्वों का देश कहा जाता है।
- (ख) इस उत्सव पर घर-घर गणपति की मूर्ति लाकर उसकी पूजा करते हैं, पंडाल सजाए जाते हैं एवं पूजा-अर्चना होती है। गणेश जी से प्रार्थना करके मोदक चढ़ाते हैं। अंत में शोभा यात्रा निकालकर मूर्तियों का विसर्जन कर दिया जाता है।
- (ग) कहा जाता है कि माँ पार्वती ने अपने तन की मैल से एक सुंदर पुतला बनाया और उसमें प्राण फूँक दिए। एक दिन जब माँ पार्वती स्नान कर रही थीं तो पुत्र गणेश बाहर पहरा दे रहे थे। भगवान शिव कई दिन की तपस्या के उपरांत घर लौटे। जब उन्होंने भीतर जाना चाहा तो बालक गणेश ने उन्हें भीतर नहीं जाने दिया। शिवजी को क्रोध आ गया और उन्होंने उसका सिर काट डाला। जब माता पार्वती ने देखा तो वह व्याकुल हो गई तब भगवान शिव ने एक हाथी के बच्चे का सिर काटकर बालक के शरीर पर लगा दिया और उसे पुनः जीवित कर दिया।
- (घ) भारत में कोई भी नया काम आरंभ करने से पहले गणेशजी की पूजा की जाती है। इस संबंध में कहा जाता है कि एक बार सभी देवता शिव-पार्वती के पास कैलाश पर्वत गए और पूछा कि अग्रपूजा का अधिकार किसे मिलना चाहिए। पार्वती जी ने कहा कि जो ब्रह्मांड की परिक्रमा सबसे पहले करेगा उसे ही यह अधिकार मिलेगा। गणेश जी ने बड़ी श्रद्धा से शिव-पार्वती की परिक्रमा की और प्रणाम करके कहा कि उनके लिए तो माता-पिता ही संपूर्ण ब्रह्मांड के समान हैं। तब शिवजी ने उन्हें अग्रपूजा का वरदान दिया।



(ड) कहा जाता है कि गणेश चतुर्थी पर चंद्रदर्शन करने पर चोरी का आरोप लगता है। माना जाता है कि इस दिन श्रीकृष्ण ने चंद्र दर्शन किया था। परिणामस्वरूप उन पर स्यमंतक मणि की चोरी का आरोप लगा।

(च) प्रत्येक पर्व में समाज देश व राष्ट्र के लिए कोई-न-कोई संदेश निहित होता है। कोई पर्व असत्य पर सत्य की विजय का संदेश देता है तो कोई समानता, भाईचारे और संगठन का संदेश देता है। वास्तव में सभी पर्वों के पीछे समाज के उत्थान का महान उद्देश्य होता है।

3. (क) भाद्रपद में (ख) गणेश की (ग) बाल गंगाशर तिलक ने

4. (क) ✓ (ख) X (ग) X (घ) X (ड) ✓ (च) ✓

5. पोंगल - तमिलनाडु ओणम - केरल

होली - उत्तर प्रदेश बिहू - असम

गणेश चतुर्थी - महाराष्ट्र दुर्गा पूजा - पश्चिम बंगाल

6. (क) इस उत्सव पर 'गणपति बप्पा मोरेया मंगल मूर्ति मोरेया' के नारे लगाए जाते हैं।

(ख) इस उत्सव को 'गणेश चतुर्थी' अथवा 'विनायक चतुर्थी' कहा जाता है।

(ग) यह उत्सव भाद्रपद महीने के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है।

(घ) महाराष्ट्र का गणेशोत्सव विशेष रूप से प्रसिद्ध है।

शब्द संपदा

1. (क) निराकार (ख) एक (ग) नवीन

(घ) असमानता (ड) रात (च) प्रारंभ

2. (क) गौरी, शैलजा, हिमसुता (ख) शंकर, नीलकंठ, चंद्रशेखर

(ग) लंबोदर, गजानन, विनायक (घ) सुर, देव, अमर

(ड) केशव, माधव, गोपाल (च) हाथी, गज, कुंजर

(छ) सागर, सिंधु, उदधि (ज) मेघ, घन, जलद

3. (क) आसन, सिक्का (ख) हाथी, अस्तित्व (ग) मुख्य, प्रधान

पाठाधारित व्याकरण

1. (क) वर्ष + आरंभ
(ग) शुभ + आरंभ
(ङ) क्रोध + आवेश
(ख) वर्ष + अंत
(घ) दर्शन + अर्थी
(च) स्नान + आगार
2. (क) शिव और पार्वती
(ग) गुलाल और अबीर
(ङ) चंद्र के दर्शन
(ख) हस्ती का शावक
(घ) अगस्त और सितंबर
(च) बीस या पच्चीस
3. (क) धार्मिक कर्मकांड (ख) मनमोहक प्रतिमा
(ग) अनजान बालक (घ) प्रमुख देवता
(ङ) सुंदर प्रतिभा
4. (क) शुभ काम का श्रीगणेश करने से पहले ईश्वर का आशीर्वाद लेना चाहिए।
(ख) डॉक्टरों ने 'सुरेश का ऑपरेशन करके उसके मृत शरीर में प्राण फूँक दिए।
(ग) कक्षा में प्रथम आने पर शोभित की खुशी का ठिकाना न रहा।